पद २८ (कन्नड)

(राग: पिलु, मुलतानी - ताल: दीपचंदी)

ईग येनु पेळिल गुरुराया। नोड नोडुत्त कळेदल्लो माया।।ध्रु.।। तत्त्वमिस महावाक्या केळी। हारि होइतु द्वैतद धूळि।।१।। नाने देह अंबोदु इत्तु मरऊ। नीने ब्रह्म यंदु तोरिदि अरवू।।२।। माणिक पेसरु आगि लोपा। उळितु सिच्चदानंदस्वरूपा।।